प्रभात
छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
सुभारती
प्रभात बस 2 रुपये में पढ़िए और पढ़ाइए
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
www.subhartimedia.com लखनऊ, गुरुवार, 07 नवंबर 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित
गिरावट के बाद रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा शेयर बाजार पेज –11

खतरनाक वायु प्रदूषण का विस्फोट क्यों!

लखनऊ-प्रभात

वैश्विक तापमान व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारक विश्व जनसंख्या में वृद्धि है, जो पिछले एक सदी के भीतर बहुत अधिक बढ़कर अप्रैल 2019 तक 7.7 बिलियन आंकी गई है। जबकि दुनिया की आबादी को 1 बिलियन तक पहुँचाने में मानव इतिहास को 2 00,000 वर्ष लग गए और पिछले 200 वर्षों के भीतर ही यह 7 बिलियन तक पहुंच गया। यह अनुमांतः 2050 में लगभग 10 बिलियन और 2100 में 11 बिलियन से अधिक तक पहुंच जायेगी।

वरिष्ठ पर्यावरणविद एवं स्कूल ऑफमैनेजमेंट साईंसेज, लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) डॉ. भरत राज सिंह का कहना है कि आज वैश्विक तापमान व जलवायु परिवर्तन को बढ़ने के दो मुख्य कारक हैं. वाहनों में हाइड्रोकार्बन ईंधन का बेतहाशा दोहन व औद्योगिकीकरण की भारी दौड़ के कारण रहन.सहन में परिवर्तन। आज एक तरफ जीवन दायिनी आक्सीजन देने वाले पेड़ों की कटाई चरम पर है परंतु उसके लगाने की दर नगण्य है। ऐसे में प्रकृति में अनावश्यक रूप में छेड़.छाड़ की जा रही है। हम जानते हैं कि पृथ्वी के चारों तरफ 10.15 कि0मी0 की ऊचाई पर ओजोन की परत फैली हुयी हैए जिससे सूर्य से पैरा बैगनी किरणें धरती पर नहीं आती और सभी जीव.जन्तु कैंसर हृदय रोग लीवर की बीमारी बच जाते है और फसलों में भी नुकसान नहीं होता। इसी प्रकार ग्रीन हाउस गैस की अधिकता दिन.प्रतिदिन बढ़ने से 05.10 कि मी की ऊचाई पर धरती के चारों तरफ ये गैस एकत्रित हो रही है और पृथ्वी पर सूर्य की किरणों से उत्पन्न रेडियेशन ग्रीन हाऊस गैस की मोटी परत सेए पुनः धरती पर वापस लौटने से वैश्विक तापमान निरन्तर बढ़ रहा है।

डा0 भरत राज सिंह ने बताया कि जब बरसात व ठण्डक के मौसम दशहरे और दीवाली के बाद प्रारम्भ होता है, तो वायुमण्डल में उपलब्ध पानी की बूंदे, ओस के रूप में बढ़ी हुयी ग्रीन.हाउस गैस पर दबाव डालती है, जिससे ग्रीन हाउस गैस पृथ्वी के नजदीक आकर फाग (धुंए) के रूप में बढ़ जाती है और हवा में पी0एम0.2.5 धीरे.धीरे बढ़ती रहती है, और दीवाली के पटाखों व पराली जलने से यह समस्या निरन्तर बढ़ती जा रही है।

तात्कालिक उपाय

डॉ.भरत राज सिंह

- कृत्रिम वारिश करायी जाय
- सड़कों, पेड़ों व घरों आदि के आस-पास पानी का छिड़काव किया जाय।
- धूल उड़ाने वाले कार्य स्थगित कर दिये जाये। पराली न जलाई जाय, न ही कार्यक्रम में क्रेकर्स न चलाये जायें।
- निजी वाहनों का उपयोग कम किया जाय तथा दो से अधिक वाहन रखने वालों पर नगर पालिका द्वारा अधिक टैक्स लगाये जाय।

स्थायी उपाय

- किसी भी सड़कों के निर्माण के शुरू होने पर बड़े पेड़ लगाये जायें।
- हाईवे, एक्सप्रेस वे आदि के प्रारम्भ पर ही दोनों तरफ के किनारो पर तीन लेयर में पेड़ लगाए जाय।
- शहर में पार्क व खुले जगह तथा सड़क के किनारे फलदार पेड अलगाये जायें तथा तालाब भी बनवाये जायें जिससे पानी का रिचार्ज बना रहे।